आइआइएम के सात विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 445 को मिली डिग्री

इंतजार हुआ खत्म, 12वें दीक्षा समारोह में सम्मान पाकर खिले विद्यार्थियों के चेहरे

अदिति, करंबेलकर, आयुष, हर्षित, शिवेश, ऋचा व आदित्य को मिला स्वर्ण पदक

भारतीय प्रबंध संस्थान (आइआइएम) रायपुर के 12वें दीक्षा समारोह में सात स्वर्ण पदक समेत 445 छात्रों को डिग्रियां बांटी गईं। संस्थान से डिग्री व सम्मान पाकर छात्रों के चेहरे खिल उठे। पदक व डिग्रियां देने के लिए जैसे-जैसे छात्रों को मंच पर बुलाया जाता, उनके चेहरे की चमक देखते ही बन रही थी। इस दौरान पूरा माहौल उत्साह से भरा रहा। इस खास पल का छात्रों को बेसब्री से इंतजार था, जो आज पूरा हो रहा था।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नेशनल स्टाक एक्सचेंज के एमडी व सीईओ आशीष चौहान, चेयरपर्सन बोर्ड आफ गवर्नर्स आइआइएम श्यामला गोपीनाथ, निदेशक प्रोफेसर रामकुमार काकानी मौजूद थे। इनके द्वारा छात्रों को डिग्री देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) के छात्रों में अदिति जोशी ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। करंबेलकर श्वेता राहुल को निदेशक का स्वर्ण पदक मिला। आयुष कुमार ने पीजीपी अध्यक्ष का पदक प्राप्त किया। वहीं हर्षित जैन ने सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन के लिए पदक प्राप्त किया। एग्जीक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (इपीजीपी) के छात्रों में शिवेश कुमार ने चेयरपर्सन का स्वर्ण पदक प्राप्त किया। ऋचा कुमारी ने निदेशक का स्वर्ण पदक प्राप्त किया और अदित्य पाटनी ने अपने शैक्षिक प्रदर्शन के लिए पीजीपी अध्यक्ष का पदक प्राप्त किया। स्नातकोत्तर व स्नातक के 445 छात्रों को डिग्रियां बांटी गईं।

आइआइएम के दीक्षा समारोह में पदक पाने के बाद अतिथियों के साथ फोटो खिंचवाते छात्र-छात्राएं। इस दौरान उनकी खुशियां देखते ही बन रही थी। ● जईदुनिया

सामाजिक चुनौतियों का समाधान खोजें : आशीष

मुख्य अतिथि आशीष चौहान ने कहा कि भारत में सुरक्षित निवेश की वजह से बाजार विश्व स्तर पर काफी पसंद किया जा रहा है। वहीं संभावनएं भी बढ़ रही है। ऐसे में प्रबंधन के छात्रों के लिए आने वाला समय काफी अच्छा है। छात्रों को भारत के पारंपरिक ज्ञान से आकर्षित करने और हमारे समय की सामाजिक चुनौतियों के लिए समाधान खोजने का प्रयास करते रहना चाहिए। छात्र अपनी कारपोरेट यात्रा में समान स्तर का लचीलापन और प्रवीणता लाए। भारत को एक 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए संकल्पित होकर काम करें।

नवाचार से बनी अलग पहचान : काकानी

निदेशक प्रो. काकानी ने निदेशक की रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें उन्होंने आइआइएम रायपुर की उपलब्धियों और महत्वाकांक्षी योजनाओं को साझा किया। उन्होंने कहा कि आइआइएम रायपुर ने शिक्षा गुणवत्ता और नवाचार से राष्ट्रीय स्तर पर अलग पहचान बनाई है। यहां के छात्र अपनी प्रतिभाओं से विश्व स्तर पर योगदान दे रहे हैं। डिग्री पाने के बाद नया सफर शुरू करने वाले छात्रों से भी उम्मीद है कि भारत सरकार की नीति, योजनाओं को लेकर प्रभावी कार्य कर राष्ट्र और समाजहित में योगदान देंगे।

दीक्षा समारोह में पदक पाने वाले छात्रों ने क्या कहा

देश की आर्थिक समृद्धि में देना है योगदान : अदिति जोशी

स्वर्ण पदक पाने वाली अदिति जोशी ने बताया कि इंजीनियरिंग के बाद फील्ड से कुछ अलग करने का सोचा। चूंकि प्रबंधन में रुचि थी इसलिए आइआइएम में प्रवेश लिया। इसके लिए काफी तैयारियां करनी पड़ी। दो वर्षों की पढ़ाई में विश्वस्तरीय शिक्षण में 100 प्रतिशत देना, बाजार को समझना, प्रबंधन की बारीकियां सीखना बड़ी चुनौती रही। कैंपस में कक्षाओं के साथ आनलाइन क्लास, सेमीनार व प्रोजेक्ट से खुद को मजबूत किया है। अब आगे कुछ दिन नौकरी के बाद खुद का बिजनेस करना है और देश की आर्थिक समृद्धि में योगदान देना है।

रोजगार के अवसर बनाना ही उद्देश्य : हर्षित जैन

स्वर्ण पदक पाने वाले हर्षित जैन ने कहा कि आइआइएम ज्वाइन करने से पहले निजी कंपनी में दो आपरेशन मैनेजर के पद पर नौकरी कर रहा था। प्रबंधन की बारीकियां समझने और अध्ययन के लिए तैयारी के बाद आइआइएम रायपुर में प्रवेश मिला। दो वर्षों की पढ़ाई में अध्ययन से लेकर नवाचार पर फोकस रहा। इस दौरान काफी कुछ सीखने मिला है। आइआइएम में पढ़ने से बड़ा सोचने और करने का नजरिया मिला। आगे बिजनेस की शुरुआत करना सिर्फ खुद को साबित करना है। रोजगार के अवसर भी लाने हैं।

Naidunia, 25th April, 2023, P.01(Naiduniya City)